तेलंगाणा ओपन स्कूल सोसायटी – (TOSS)

इंटरमीडियेट – प्रश्न पत्र मार्गदर्शक

हिंदी - (301)

- परीक्षा का आयोजन 2022 में बनाई गई इंटरमीडियेट हिंदी की नवीन पाठ्य पुस्तक के आधार पर किया गया।
- इस नवीन पाठ्य पुस्तक के आधार पर ही प्रथम पत्र का निर्माण करना चाहिए।
- प्रश्न पत्र के कुल 5 भाग हैं। ये भाग इस प्रकार हैं-

  भाग – 1 – बोध-प्रतिक्रिया

  भाग – 2 – स्वरचना

  भाग – 3 – सृजनात्मकता

  भाग – 4 – शब्द भंडार

  भाग – 5 – व्याकरणांश

- प्रत्येक दक्षता/शैक्षिक मापदंड पर आधारित भारपात (Weightage) इस प्रकार है-

भाग	दक्षता	भारपात प्रतिशत (%)	अंक
भाग-1	1. बोध-प्रतिक्रिया	10%	10 अंक
भाग-2	2. स्वरचना	50%	50 अंक
भाग-3	3. सृजनात्मकता	10%	10 अंक
भाग-4	4. शब्द भंडार	15%	15 अंक
भाग-5	5. व्याकरणांश	15%	15 अंक
	कुल	100%	100 अंक

❖ प्रश्न पत्र में काठिन्य स्तर इस तरह होगा-

काठिन्य स्तर	प्रतिशत (%)	अंक	दक्षता – विवरण
कठिन	30%	30	स्वरचना – निबंधात्मक प्रश्न
औसत	40%	40	बोध प्रतिक्रिया – पठित पद्य, अपठित गद्य स्वरचना – लघुप्रश्न सृजनात्मकता – सृजनात्मक अभिव्यक्ति और प्रयोजनमूलक हिंदी से संबंधित प्रश्न
सरल	30%	30	शब्द भंडार:- वाक्य प्रयोग, समानार्थी, पर्यायवाची अनेकार्थी, तत्सम-तद्भव, तुकांत (पारिभाषिक शब्दावली), शुद्ध वर्तनी, विलोमार्थी, देशज, विदेशी, उपसर्ग, प्रत्यय व्याकरणांश:- पाठ्यपुस्तक में पद्य और गद्य पाठों में दिए गए व्याकरणांशों के साथ-साथ इकाई-IV (सरल हिंदी व्याकरण) इकाई-V (रस, छंद, अलंकार) से।

भाग-I

I बोध-प्रतिक्रिया –प्रश्नों का स्वभाव – विवरण

(i) पठित पद्य (5 अंक)

- पठित पद्य पाठ्य पुस्तक के पद्य भाग से दिया जाना चाहिए। इसके लिए 5 अंक निर्धारित है।
- यह प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या से संबंधित है।
- कुल दो प्रश्न दिए जाएँ। इनमें से 1 प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए कहा जाए।

(ii) अपठित गद्य (5 अंक)

- इसमें अपठित गद्यांश दिया जाए।
- गद्यांश पर आधारित 5 प्रश्न पूछने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।
- कौन, क्या, कहाँ आदि प्रश्नवाचक शब्दों का प्रयोग ना हो।

भाग - 2

2. स्वरचना - प्रश्नों का स्वभाव – विवरण

- इस भाग में दो प्रकार के प्रश्न हैं। 1. लघु उत्तरात्मक प्रश्न 2. निबंधात्मक प्रश्न।
- लघु उत्तरात्मक प्रश्न 4 देने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है। कुल 4x5=20 अंक हैं।
- इन चार प्रश्नों में 2 प्रश्न पद्य भाग से और 2 प्रश्न गद्य भाग से 2 प्रश्न उपवाचक से, 2 प्रश्न साहित्य से देने चाहिए।
- इनमें से एक प्रश्न अनिवार्य रूप से कवि/लेखक से संबंधित होना चाहिए।
- इन प्रश्नों के उत्तर 8-10 पंक्तियों में लिखना है।
- निबंधात्मक प्रश्नों के अंतर्गत 4 प्रश्नों के उत्तर लिखना है।
- पद्य भाग से -2, गद्य भाग से -2, उपवाचक से -2 प्रश्न साहित्य से -2 प्रश्न जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प (Internal Choice) होगा। प्रत्येक भाग में दिए गए दो प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर लिखना है। पद्य भाग के प्रश्नों के लिए 10 अंक, गद्य भाग के प्रश्नों के लिए 10 अंक, उपवाचक के प्रश्नों के लिए 5 अंक, साहित्य के प्रश्नों के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।
- विचारात्मक, विश्लेषणात्मक, तुलनात्मक, समस्यात्मक प्रश्न पूछने चाहिए।
  जैसे – विश्लेषण कीजिए / तुलना कीजिए / पात्र-परिचय / सारांश लिखना / कारण बताइए / सहमति-असहमति दर्शाइए / उदाहरण द्वारा पुष्टि कीजिए आदि।
- पाठ्य-पुस्तक में स्वरचना अभ्यास के अंतर्गत दिए गए प्रश्न जैसे के तैसे न पूछे जाएँ।

भाग-3

3. सृजनात्मकता – प्रश्नों का स्वभाव – विवरण

- इसमें 2 प्रश्न पूछे जाएँगे। 1 प्रश्न विधाओं से संबंधित होगा। दूसरा प्रश्न प्रयोजनमूलक हिंदी से संबंधित होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।
- ये प्रश्न पाठ्य पुस्तक में दी गई विधाओं और प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत दिए गए सृजनात्मक अंशो से संबंधित होंगे।
- इन प्रश्नों में आंतरिक विकल्प (Internal Choice) होगी।
- प्रश्न जैसे के तैसे पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों से न दिए जाएँ। विधाओं के विषय अलग होने चाहिए।

भाग – 4

4. शब्द भंडार – प्रश्नों का स्वभाव – विवरण

- इसमें 15 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। कुल 15 अंक हैं।
- इसमें 5 प्रश्न वाक्य प्रयोग से संबंधित होंगे।
- शेश 10 प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे। इन प्रश्नों में समानार्थी, पर्यायवाची, अनेकार्थी, तत्सम-तद्भव, तुकांत, विलोमार्थी, देशज-विदेशी जैसे प्रश्न देने चाहिए।

भाग – 5

5. व्याकरणांश – प्रश्नों का स्वभाव - विवरण

- इसमें कुल 15 प्रश्न होंगे। सभी प्रश्न बहुविकल्पीय होंगे।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है।
- पाठ्यपुस्तक के पद्य और गद्य पाठों में दिए गए भाषा-व्याकरण से संबंधित अभ्यासों के अतिरिक्त मुख्यत: इकाई-IV (सरल हिंदी व्याकरण) और इकाई-V (रस, छंद, अलंकार) से दिए जाएँ।